



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

15 आश्विन 1938 (श०)

(सं० पटना 846) पटना, शुक्रवार, 7 अक्टूबर 2016

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद

अधिसूचना

14 मार्च 2016

सं० 4145—रोहतास जिलान्तर्गत आकाशी मठ (दरिया पंथी) ग्राम—आकाशी, पो०—मोकर, थाना—अगरेर, जिला—रोहतास—821115 बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के तहत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं०—4093 है।

इस न्यास की व्यवस्था हेतु पर्षदीय आदेश पत्रांक—618, दिनांक 02/07/2010, प्रभावी दिनांक 05/07/2010 के द्वारा गठित न्यास समिति का कार्यकाल आदेश की तिथि आदेश की तिथि से तीन वर्ष निर्धारित किया गया। न्यास समिति के विरुद्ध आपसी खींच—तान की शिकायत प्राप्त होती रही। मंदिर में साधु—सेवा न होने की भी शिकायत प्राप्त होती रही। पर्षदीय पत्रांक—514, दिनांक 27/06/2011 द्वारा न्यास समिति को इस संबंध में पत्र प्रेषित किया गया। इसी बीच मा० उच्च न्यायालय के आलोक के निर्देश में पर्षद में सुनवाई भी की गयी। सुनवाई के दौरान दिनांक 21/01/13 के आदेश में न्यास समिति को आपसी सदभाव बनाए रखने का निर्देश दिया गया एवं यह भी कहा गया कि यदि न्यास समिति सही ढंग से चलती है तो इसके कार्यकाल में वृद्धि होगी। परंतु न्यास समिति के सदस्य एक दुसरे के विरुद्ध आरोप—प्रत्यारोप देते रहे तथा न्यास का विकास कार्य अवरुद्ध रहा। न्यास समिति का कार्यकाल जुलाई, 2013 में समाप्त हो गया। पर्षदीय पत्रांक—434, दिनांक 09/07/14 द्वारा न्यास समिति का कार्यकाल नवीन न्यास समिति गठन की अवधि तक विस्तारित किया गया, ताकि रिक्तता ना रहे। न्यास के कोषाध्यक्ष ने मठ के प्रधान पूजारी— श्री राम एकबाल पुजारी पर, गैरकानूनी ढंग से न्यास की भूमि की बंदोवस्ती किये जाने एवं 1,50,000/— रू० न्यास के खाते में न जमा कर, अपने पास रखने का आरोप लगाया। पर्षदीय पत्रांक—988, दिनांक 23/06/15 के माध्यम से जिला पदाधिकारी, रोहतास एवं पुलिस अधीक्षक, रोहतास को विधि—सम्मत कार्रवाई हेतु पत्र निर्गत किया गया। पर्षदीय पत्रांक—989, दिनांक 23/06/15 द्वारा अंचल पदाधिकारी, रोहतास को न्यास समिति गठन हेतु स्वच्छ छवि के 11 हिन्दू सज्जनों का नाम मांगा गया। जिसके अनुपालन में अंचल पदाधिकारी, सासाराम ने अपने पत्रांक—04, दिनांक 07/09/15 के साथ 12 व्यक्तियों के नामों की सूची प्रेषित की। जिसमें न्यास समिति के गठन हेतु 11 सदस्य तथा श्री सुनील दास का नाम पूजारी हेतु प्राप्त हुआ।

अतः उक्त न्यास के सुचारु प्रबंधन एवं सम्यक विकास के लिए बिहार राज्य धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा—32 के अन्तर्गत एक योजना का निरूपण एवं इसके कार्यान्वयन हेतु न्यास समिति का गठन आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 32 के अन्तर्गत में धार्मिक न्यास पर्वद को प्रदत्त अधिकार, जो धार्मिक न्यास की उप विधि सं०- 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए **आकाशी मठ (दरिया पंथी) ग्राम- आकाशी, पो०- मोकर, थाना- अगरेर, जिला- रोहतास- 821115** के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “आकाशी मठ (दरिया पंथी) न्यास योजना ग्राम-आकाशी, पो०-मोकर, थाना-अगरेर, जिला-रोहतास-821115” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “आकाशी मठ (दरिया पंथी) न्यास समिति ग्राम-आकाशी, पो०-मोकर, थाना-अगरेर, जिला-रोहतास-821115” जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की संपत्तियों की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ, तीर्थ-यात्री एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।
3. न्यास की समस्त आय, न्यास के नाम से किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।
4. न्यास की आय-व्यय में, आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगा।
5. न्यास समिति अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास के बजट, आय-व्यय की विवरणी, पर्वद शुल्क, अंकेक्षण प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि सम्यक रूप से पर्वद को प्रेषित करेगी।
6. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलायी जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्वद को प्रेषित की जायेगी।
7. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझी जाय, तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्वद के अनुमोदन के लिए भेजेगी।
8. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि “यदि कोई हो तो”, उसकी वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।
9. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिकवियों की पूर्ति का अधिकार पर्वद में निहित होगा।
10. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाये जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे, तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी।
11. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

(1)	अंचलाधिकारी- सासाराम, जिला- रोहतास	—	अध्यक्ष
(2)	श्री सरयू सिंह	—	उपाध्यक्ष
(3)	श्री रायकेश्वर सिंह	—	सचिव
(4)	श्री हरिहर प्रसाद	—	कोषाध्यक्ष
(5)	श्री लल्ली सिंह	—	सदस्य
(6)	श्री राजेन्द्र सिंह	—	“
(7)	श्री अजय कुमार	—	“
(8)	श्री ओम प्रकाश मिश्र	—	“
(9)	श्री जितेन्द्र प्रसाद	—	“
(10)	श्री अनील कुमार	—	“
(11)	श्री दशरथ सिंह	—	“
सभी का पता-ग्राम-आकाशी, पो०-मोकर, थाना-अगरेर, जिला-रोहतास 821115.			

12. उपरोक्त वर्णित न्यास समिति का कार्यकाल, अधिसूचना का गजट प्रकाशन होने की तिथि से अगले 05 वर्षों का होगा, लेकिन एक वर्ष के बाद न्यास समिति के कार्यों की समीक्षा की जायेगी और कार्य संतोषप्रद पाये जाने पर न्यास समिति की निरन्तरता पर यथोचित निर्णय लिया जा सकेगा।

आदेश से,
किशोर कुणाल,
अध्यक्ष।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 846-571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>